



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—जन-कान्प (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 402] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 18, 1990/भाद्र 27, 1912  
No. 402] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 18, 1990/BHADRA 27, 1912

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
कम्पनी विधि बोर्ड  
ग्राधिसूचना

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1990

स. का. नि. संख्या 792(अ).—दिनांक 18 सितम्बर, 1985 की ग्राधिसूचना सं. सा. का.  
नि. 743(अ) की अनुवृत्ति में, तथा भारत सरकार, विधि व्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
2527 GI/90

(कम्पनी कार्य विभाग) की दिनांक 24 जून, 1975 की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 343(ड) के साथ पठित कम्पनों अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, कम्पनी विधि बोर्ड की यह राय होते हुए कि निम्नलिखित सामग्री के वर्गों के लिए मांग, इस प्रकार की सामग्री के उत्पादन या सम्भरण से व्यापक रूप से अधिक है, तो एकमात्र विशेषा अभिकर्ताओं की सेवाएं, इस प्रकार की सामग्री हेतु विपणन के सृजन के लिए श्रावणक नहीं होगी, एवं धारा धोयणा करता है कि इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्षों की अवधि के लिए इन प्रकार की सामग्रियों के बिक्री हेतु कम्पनी द्वारा एकमात्र विशेषा अभिकर्ताओं की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

1. सीमेंट
2. कारबज़

[फा. सं. 11/3/90-सी.एस-10]

बैद्र प्रकाश गुप्त, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department Of Company Affairs)

### COMPANY LAW BOARD

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th September, 1990

G.S.R.792(E):- In continuation of Notification No.G.S.R.743(E) dated 18th September, 1985 in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs), No.G.S.R.343(E), dated the 24th June, 1975, the Compay Law Board, being of the opinion that the demand for the categories of goods spe- cified below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the sole selling agents, will not be necessary to create a market

for such goods, hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by a company for the sale of such goods for a further period of five years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

1. Cement

2. Paper

[F.N.11/3/90-CL.X]

V.P. GUPTA, Member, Company Law Board.

